

एक नजर में

चुनरी यात्रा कल

151 मीटर की चुनरी लेकर पहुंचे मां वैष्णों मंदिर

यात्रा 14 अक्टूबर, का. नगर में बुधवार शाम चुनरी यात्रा निकाली गयी. राजगढ़ रोड स्थित पंचशील कॉलोनी से 151 मीटर की चुनरी लेकर श्रद्धालुजं पदैल चलते हुए बस स्टैण्ड के समीप मा वेंगो के दरबार पहुंचे. चुनरी को बच्चे, युवा, महिलाएं, युवतियां और बुजुर्गजन हाथों पर लिए चल रहे हैं. पूरे मार्ग में जय मातादी के उद्घोष मूज रहे हैं. स्थान स्थान पर जयकारे में चुनरी यात्रा के सामने अपना मस्तक झुकाया और मया के जयगोरे लगाए.

**श्रीराम जन्म पर भोलेनाथ
बने मदारी बजाए डमरू**

कुरावर 14 अक्टूबर, सं. ग्राम कांकरिया देवरांनी धाम में चल रही श्री राम कथा के चौथे दिन कथा वाचक महामंडलेतर कर्मा भीगवता नंद गिरी भगवान बापुजी ने श्री राम जन्म और अवतार की कथा विस्तार पूर्वक श्रद्धालुओं को सुनाई श्री राम मानव अवतार बाल स्वरूप के दर्शन करने के लिए भगवान शंकर और कागभूसूजी ने मचारी और जम्बू का देशघारण कर अयोध्यापुरी पहुंचे और वहां पर अपनी लीलाएं दिखाते हुए श्रीराममंद्र जी के बाल स्वरूप के दर्शन किए. उसके पश्चात गुरु विश्वामित्र साधु संत ब्राह्मणों की और यज्ञ की रक्षा करने के लिए महामुनि तपस्वी विश्वमित्र जी राम और लक्ष्मण को 11 वर्ष की उम्र में अपने साथ ले गए. और सनातन की रक्षा श्री राम लक्ष्मण के द्वारा करवाई. वहीं कहीं राक्षसों का वध कर ब्राह्मणों की रक्षा की. पाप का नाश किया. धर्म का प्रचार किया. कथा सुनने के लिए आसपास के क्षेत्र सहित कई श्रद्धालु कथा पांडाल में पहुंच रहे हैं।



17 बहनों ने 19 वर्षों पहले शुरू किया था गरबा, सतत चल रही महोत्सव की परंपरा

नरसिंहगढ़ 14 अक्टूबर, सं. शारदया नवरात्रि पर्व के तीसरे दिन चौड़ा हनुमान मंदिर परिसर में गरबा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। शाम को मंदिर में मां शारदा के पूजन एवं चौड़ा हनुमान जी की आराती के साथ गरबा नृत्य की शुरुआत हुई। इसके बाद छोटो-छोटो बच्चियों और महिलाओं ने माता रानी के जयकारों के बीच परंपरिक गरबा नृत्य प्रस्तुत किया। देर रात तक चले इस आयोजन में श्रद्धालुओं और दर्शकों का उत्साह देखते ही बना। गरबा महोत्सव समिति प्रमुख समिता झण्डर पिछले 19 वर्षों से नरसिंहगढ़ में गरबा महोत्सव की परंपरा को निरंतर आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने बताया कि इस आयोजन की शुरुआत शीतला माता मंदिर से बैठियों के गरबा नृत्य के साथ की गई थी। दूसरे वर्ष से महिलाओं ने भी गरबा में सांभोगिता शुरू की। शुरुआत में मात्र 17 बहनें गरबा खेलने पहुंची थीं, लेकिन धीरे-धीरे यह आयोजन नगर की एक प्रमुख धार्मिक व सांस्कृतिक परंपरा बन गया। आज इसमें हजारों बहनें उत्साहपूर्वक भाग लेती हैं। शीतला माता मंदिर और मां गायत्री मंदिर से शुरु हुई इस परंपरा ने आज चौड़ा हनुमान मंदिर परिसर में भी भव्य स्वरूप ले लिया है।

अनिल कपूर के शो में दिखे बिट्टू तबाही

व्यावरा 14 अक्टूबर, का.
अजनार नदी की सफाई से सुखियों
में आए सुरेंद्र सिंह उर्फ बिट्टू तबाही
इस बार वे सिनेमा कलाकार
अनिल कपूर के शो इंडिया के टॉप
1 प्रतिशत में दिखाई दिए. शो को
होस्ट कर रहे अनिल कपूर ने भी
सुरेंद्र के प्रयासों की सराहना की.

जीरापुर के कन्या उमावि में पाद पूजन कर, बेटियों को कराया भोजन

नवभारत न्यूज
जीरापुर 14 अक्टूबर, सं. नगर के शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल में नवरात्रि के पावन पर्व पर कन्या भोज का आयोजन किया गया। विद्यालय परिवार की ओर से सभी बालिकाओं को प्रेमपूर्वक भोज प्रसादी परोसी गई, प्राचार्य देवेन्द्र शर्मा के



25 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार, 19 महिलाओं को मिला अवसर

राजगढ़ 14 अक्टूबर, का. अनाज स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन और महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने की दिशा में भी योगदान दे रहा है. कंपनी द्वारा अब तक 25 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान किया गया है. इनमें 19 महिलाएँ शामिल हैं, जिन्हें उत्पादों की छँटाई और सफाई जैसे कार्यों में मजदूरी के आधार पर रोजगार मिला है. इसके अतिरिक्त, कंपनी की गतिविधियों से अनेक लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से भी रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं.

स्टार्टअप एक्सीलरेट, कोल्हापुर के 10 चयनित स्टार्टअप में स्थान

अनाजू के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि स्टार्टअप एक्सीलेरेट, कोल्हापुर के 10 चयनित स्टार्टअप में शामिल होना है। यह उपलब्धि उद्यम की आगे बढ़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। कंपनी स्थानीय स्तर पर अपनी शुरुआत के बाद अब उत्पादों की पहुँच बढ़ाने, गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने और आधुनिक तकनीक के उपयोग से अपने कार्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में प्रयास कर रही है।

उत्सव

पडाना में गांधी चौक टेंपो स्टैंड बना आस्था का केंद्र, पूरा गांव मिलकर एक ही पंडाल तले करता है मां की आराधना

10 हजार की आबादी, लेकिन गांव में एक ही स्थान पर घटस्थापना

नवभारत न्यूज
पड़ना 14 अक्टूबर, सं. 20
वार्ड और लगभग 10 हजार
की आबादी वाला हमारा
नगर पड़ना भले ही तेजी से
बढ़ रहा हो, लेकिन शारदीय
नवरात्र पर्व के दौरान पूरे
नगर में आस्था का केंद्र
केवल एक ही स्थान रहता है।
वह है गांधी चौक टेंपो
स्टैंड। वर्तमान में यह
आयोजन मां आशापुरी मित्र
मंडल के तत्वावधान में
किया जा रहा है।



मुख्य सेवक और स्थायी यजमान के रूप में जाना जाता है, जो हर वर्ष संकल्प लेकर मां की आराधना करते हैं। इस परंपरा की शुरुआत आज से करीब 39 वर्ष पूर्व वर्ष

की आराधना करते हैं.
इस परंपरा की शुरुआत
आज से करीब 39 वर्ष पूर्व वर्ष

1987 में हुई थी। उस समय इसका नाम मां आशापुरी नवदुर्गा उत्सव समिति था। इसी समिति ने लगातार 15 वर्षों तक वर्ष 1987 से 2001-02 तक गांधी चौक पर घट स्थापना कर इस परंपरा को जीवित रखा। उस दौरान समिति के सदस्य गोवर्धन पाटीदार, कालूराम सेन, विष्णु परमार, राजेश सोनी, जीवन टेलर, ढीलेन परमार, गजानंद शर्मा इत्यादि हुआ करते थे। 15 वर्षों तक अनवरत सेवा के बाद यही समिति वर्ष 2002-03 में मां आशापुरी मित्र मंडल के नाम से पुनर्गठित हुई। इस प्रकार यह परंपरा कुल 39 वर्षों से अनवरत जारी है।

खिलचीपुर के सराफा बाजार में केदारनाथ धाम जैसा नजारा

नवभारत न्यूज खिलचीपुर 14 अक्टूबर, सं. नवरात्रि के अवसर पर



26 वर्षों से लगातार मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। वर्षों से चली आ रही इस परंपरा के कारण यहां की मां दुर्गा को श्रद्धालु 'सराफा बाजार की महारानी' के नाम से जानते हैं।

समर्पण गरबा
सीजन-3 की
गुरुआत आज न

नवभारत न्यूज, राजगढ़ 14 अक्टूबर, का. नवरात्रि के पावन पर्व पर शहर में गरबा उत्सव की धूम के बीच सम्पन्न गरबा महोत्सव सीजन-3 का आगाज आज 15 अक्टूबर से होगा। नरनरबाग हनुमान सेवा समिति के तत्वावधान में राजमहल प्रांगण में 15, 16 और 17 अक्टूबर को आयोजित होने वाले इस महोत्सव में करीब 500 प्रतिभागी एक साथ गरबा करूँ गाँ दुर्गा की आराधना करेंगे। कार्यक्रम प्रमुख आशीष नागर और पंकज विजयराज के अनुसार, गरबा आयोजन के दौरान डी के भीतर केवल पंजीकृत प्रतिभागियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। वहीं, दर्शकों के लिए स्टैंडियम की तर्ज पर बड़ी संख्या में बैठन की व्यवस्था की गई है, ताकि वे सुविधाजनक तरीके से बैठकर गरबा महोत्सव का आनंद ले सकें। तीन दिवसीय आयोजन में गरबा, भक्ति और उत्साह का संगम देखने को मिलेगा।

नन्हें बच्चों ने सजाया मां का सुंदर पंडाल



ब्यावरा 14 अक्टूबर, का. एक ओर जहां नगर में मैया के विशाल पाण्डाल, आकर्षक विद्युत सजाओ से सजाए गए है. वहीं नगर के शहरी कॉलोनी में चार नरने दोस्तों ने लगातार दूसरे वर्ष मां का सुंदर, सादगी से भरा छोटा सा पाण्डाल सजाया है. स्कूल से आने के बाद ये चारों उड्डव अग्रवाल, तीर्थ अग्रवाल, पार्थ और शौर्य ठाकुर के साथ काव्य और नव्या सोनी नामक दो बच्चियां भी माता की संध्या आरती करते है. मां को भोग प्रसाद चढ़ाते है. बिना किसी शोर शराब के ये बच्चे मां की प्रतिमा की आराधना कर रहे है. आपसपास के रहवासी इन्हें अपना सहयोग और स्नेह प्रदान कर रहे है.

नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवरात्रि पर्व पर कन्या पूजन की परंपरा और धार्मिक महत्व को आत्मसात करना रहा। प्राचार्य शर्मा ने सभी छात्राओं को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त शिक्षक स्टाफ उपस्थित रहा।



पूरे अंचल में पशु चिकित्सा को प्रभावी बनाने की जरूरत

सारंगपुर में पशु चिकित्सकों की बैठक आयोजित

नवभारत न्यूज
राजगढ़ 14 अक्टूबर, का.
सारांगपुर स्थित सेवा सदन कार्यालय में प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं रोजगार विभाग गौतम टेटवाल ने सारांगपुर विधानसभा क्षेत्र के पशु चिकित्सकों एवं कामचारियों के साथ बैठक कर पशु स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में पशुधन के संरक्षण एवं संवर्धन तथा पशुपालकों को समय पर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। राज्यमंत्री ने अधिकारियों और पशु चिकित्सकों से कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। पशुपालकों को उपचार, टीकाकरण और आवश्यक चिकित्सकीय सुविधाएं समय पर उपलब्ध हों। इसके लिए विभागीय स्तर पर बेहतर समन्वय के साथ कार्य किया जाए।

उन्होंने पशुधन संरक्षण और संवर्धन को ग्रामीण विकास से जोड़ते हुए मैदानी अमले को संवेदनशीलता और समर्पण के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। राज्यमंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि पशुधन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण आधारशिला है। पशुओं का बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करना और पशुपालकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पशुपालकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करते हुए उन्हें गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि पशुधन की उत्पादकता बढ़े और ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो। बैठक के दौरान पशु चिकित्सकों ने क्षेत्र में पशु स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित आवश्यक सुझाव भी रखे। सभी सुझावों पर गंभीरता से विचार करते हुए विभागियों अधिकारियों को प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।